पशु सखी को मिला पांच दिवसीय प्रशिक्षण

पशु सखी का प्रशिक्षण लेतीं सखी मंडल की सदस्य.

रांची जिला अंतर्गत अनगड़ा प्रखंड के गेतलसूद गांव स्थित आजीविका संसाधन केंद्र में पशु सखियों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण शिविर में नगड़ी और रातू प्रखंड की सखी मंडल से जुड़ी महिलाएं भी शामिल हुईं. ट्रेनर के तौर पर बासमती देवी ने महिलाओं को प्रशिक्षण दिया. प्रशिक्षण शिविर में शामिल सभी पशु सखियों को प्रशिक्षण के बाद अपने-अपने गांव जाकर मुर्गी, बतख और बकरी का इलाज करने पर जोर दिया गया. प्रशिक्षण शिविर में नगड़ी प्रखंड के दलादिली गांव की कांता देवी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बकरियों की बीमारियों के बारे में बताया गया. उन्हें बताया गया कि बकरी का हृदय एक मिनट में 170 बार धड़कता है और बीमार होने पर इससे अधिक बार धड़कता है. दो मिनट में तीन बार बकरी का रुमन चलता है. बीमार बकरी का रुमन रुक जाता है. बकरियों को हमेशा विटामिन की सूई देनी चाहिए. सूई देने के दौरान दवा अच्छे से डालें. इसमें हवा न रहे, क्योंकि सीरिंज के अंदर हवा रहने पर सूई पड़ने वाली जगह पर फूल जाता है. जानवरों के बेहतर रख-रखाव की जानकारी भी दी गयी. उन्हें दवाओं के नाम बताये गये. कांता देवी ने बताया कि पहले उन्हें यह सोचकर डर लगता था कि जानवरों का इलाज किस प्रकार से करेंगी, लेकिन प्रशिक्षण मिलने के बाद वो गांव जाकर अच्छे से जानवरों का इलाज करेंगी. पहले उनके गांव में इलाज के अभाव में जानवर मर जाते थे, पर अब गांव जाकर वो जानवरों का इलाज करेंगी और बीमा भी करेंगी, ताकि पशुपालकों को नुकसान न हो. बता दें कि रांची के 16 प्रखंड में पशु सखी का काम हो रहा है, जिसमें लगभग 845 पशु सखी जुड़ी हैं. अनगड़ा प्रखंड में 145 पशु सखी अपने गांवों में काम कर रही हैं. अनगड़ा प्रखंड की बलमदीना पशु सखी के काम के साथ-साथ अब ट्रेनर का भी काम कर रही हैं. प्रखंड में पशु मृत्यु दर में कमी आयी है. इससे पशुपालन की तरफ पशुपालकों का रुझान पहले से बढ़ गया है.

रूबी खातून

प्रखंड : अनगड़ा
जिला : रांची

गांवों में आर्थिक समृद्धि लातीं ग्रामीण महिलाएं

समुदाय आधारित निगरानी की मिली जानकारी

सखी मंडल से जुड़ कर महिलाएं अब अपने घर-परिवार के साथ-साथ गांवों को भी आर्थिक तौर पर समृद्ध कर रही हैं. सखी मंडल से कम ब्याज पर मिलनेवाले लोन का लाभ ग्रामीण महिलाएं उठा रही हैं. लोन लेकर स्वरोजगार कर रही हैं. खेती-बारी कर रही हैं. सामाजिक सुधारों को लेकर भी महिलाएं कार्य कर रही हैं. मानव तस्करी को लेकर भी घर-घर जाकर ग्रामीणों को जागरूक कर रही हैं. सखी मंडल की आजीविका कृषि मित्र गांव में किसानों को आधुनिक खेती के तरीके बता रही हैं, जिससे किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है. इतना ही नहीं, सखी मंडल और ग्राम संगठन सही तरीके से कार्य कर रहे हैं या नहीं, लोन के पैसों का सही तरीके से उपयोग हो रहा है या नहीं, इसकी भी जांच सखी मंडल की सदस्य खुद से कर रही हैं. पशु सखी बन कर महिलाएं गांव में पशुओं का इलाज भी कर रही हैं, जिससे पशु मृत्यु दर में कमी आयी है और पशुपालकों में पशुपालन को लेकर रुझान बढ़ा है. इस तरह ऐसे कई कार्य हैं, जिससे महिलाएं गांवों को आर्थिक तौर पर समृद्ध कर रही हैं.

नेहा कुमारी

प्रखंड : बरवाडीह
जिला : लातेहार

लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र के तीन कलस्टर में समुदाय आधारित निगरानी प्रक्रिया (सीबीएमएस) आयोजित हुई. सीबीएमएस के तीनों कलस्टर से दो ग्राम संगठन के मास्टर बुक कीपर को बरवाडीह प्रखंड स्थित स्कूल में बुलाया गया था. कार्यक्रम के पहले दिन एमआइएस ऑफिसर राम प्रसाद द्वारा सीबीएमएस की पूरी जानकारी दी गयी. सीबीएमएस खुद के द्वारा खुद को जांचने की प्रक्रिया है. इस प्रक्रिया के जरिये गांवों में जाकर समूह और ग्राम संगठन के लेन-देन की प्रक्रिया की जांच कर सकते हैं. साथ ही आरएफ व सीआइएफ की जांच भी कर सकते हैं. पुस्तक की भी जांच होती है. समूह के जरिये आसानी से लोन मिल जाता है. उसका इस्तेमाल सही तरीके से करते हैं कि नहीं, इसकी भी जानकारी मिल जायेगी. मौके पर दो-दो कैडर की छह सदस्यीय टीम बनायी गयी, जो निगरानी और जांच करेगी. निगरानी टीम ने 12 गांवों में जाकर 24 समूह और 12 ग्राम संगठन की जांच की. सभी निगरानी टीम ने दो दिन में जांच पूरी की और फिर कार्यक्रम के चौथे दिन बरवाडीह प्रखंड कार्यालय में बैठक की. इस दौरान सभी निगरानी टीमों ने अपनी-अपनी जांच रिपोर्ट पेश की. इस दौरान अच्छी बातें और कुछ कमियां भी सामने आयीं. अच्छी बात यह सामने आयी कि महिलाएं ग्राम संगठन या समूह से लोन लेकर अपना व्यवसाय कर रही हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है. इसके साथ ही जो कमियां सामने आयीं, उन कमियों को सुधार करने की बात कही गयी. इस मौके पर एमआइएस ऑफिसर, एसएमआइबी ऑफिसर, बीपीएम, सीसी एवं 12 ग्राम संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए.

समुदाय आधारित निगरानी प्रक्रिया के कार्यक्रम में जानकारी लेतीं दीदियां.

समूह से मिला जीने का सहारा

रांची जिला अंतर्गत कांके प्रखंड स्थित हुंदूर पंचायत के सिद्दी गांव की बितो कामिन समूह से जुड़ कर अपनी जिंदगी बदल रही हैं. बितो कामिन 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला हैं. बुजुर्ग होने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अब भी खेती-बारी करती हैं. सबसे पहले उन्होंने समूह की मदद से अपने खेतों में टपक सिंचाई यंत्र लगाया. इसका लाभ उन्हें मिला. फसल अच्छी हुई और इससे मुनाफा भी बढ़ा. पहले वह धान की खेती करती थीं. फिर उन्हें कृषि मित्र के द्वारा ड्रिप इरिगेशन के बारे में जानकारी मिली. जानकारी मिलने के बाद बितो कामिन ने समूह से 15 हजार रुपये का लोन लिया और उन पैसों से उन्होंने अपने खेत में ड्रिप इरिगेशन सिस्टम लगाया और टमाटर, गोभी, खीरा और बीन की खेती की. टमाटर तो नहीं हुआ, पर अभी करेला, बीन और खीरा निकल रहा है. बितो कामिन बताती हैं कि अभी तक वो 30 हजार रुपये की सब्जी बेच चुकी हैं. बितो कामिन एक सप्ताह में तीन बार सब्जी तोड़ती हैं. इससे उनके घर का खर्च निकला जा रहा है. आजीविका से जुड़ने के बाद न सिर्फ उनकी जिंदगी में बदलाव आया है, बल्कि आज वह अपने बेटे को भी रोजगार दिला रही हैं.

सुनीता देवी

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

स्वरोजगार की ओर बढ़ते कदम

गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड स्थित इसरी बाजार में सखी मंडल की महिलाओं ने स्टॉल लगाया. इस दौरान अलग-अलग पंचायत से पंहुचीं सखी मंडल की महिलाओं ने स्टॉल पर अपने-अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया. यह बाजार एसवीएपी के अंतर्गत दो दिनों तक लगाया गया. इसका उद्घाटन इसरी प्रमुख यशोदा देवी ने किया. हाट बाजार में चोरिया की यशोदा देवी रेडीमेड कपड़े की दुकान लगायीं, तो डुमरी की कल्पना देवी श्रृंगा की दुकान लगायीं. मध्यगोपाली की महिलाओं ने पानी पूरी और चाट की दुकान लगायी. परसाबेड़ा की महिलाओं ने कंगन और चुड़ियों की दुकान समेत अन्य महिलाओं ने समोसा, पकौड़ी और सब्जी की दुकान लगायी. डुमरी की नामिता देवी ने बताया कि हर पंचायत को उद्यमी बनाने के लिए सखी मंडल की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने को लेकर जीवन ज्योति ग्रुप (सीआरपीइपी) बीएमएमयु डुमरी में काम कर रही है. इसके माध्यम से यहां की सखी मंडल की महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ रही हैं और आर्थिक तौर पर मजबूत हो रही हैं.

मुनिया देवी

प्रखंड : डुमरी
जिला : गिरिडीह

मानव तस्करी पर रोक जरूरी

खूंटी जिले के रनिया प्रखंड में मानव तस्करी की रोकथाम के लिए जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जेएसएलपीएस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में रनिया थाना के प्रभारी, रनिया बीएमएमयू के कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविकाएं, खूंटी जिला डीपीएम अनिता केरकेट्टा और स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल हुईं. कार्यक्रम से पहले रनिया प्रखंड की सोदे पंचायत में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया. इसके माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया गया. नाटक की टीम दो दिनों तक गांव में ही रही और गांव से लापता हुई बच्चियों की सूची तैयार की गयी. इस दौरान 11 बच्चे- बच्चियों की सूची तैयार की गयी, जो पिछले पांच-सात साल से गायब हैं. जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान नाटक के माध्यम से समूह की महिलाओं को बताया गया कि किस प्रकार से बच्चे-बच्चियों का शोषण किया जाता है. मौके पर गायब हुए बच्चे-बच्चियों की सूची थाना प्रभारी को सौंपी गयी. जेएसएलपीएस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम से ग्रामीण और खासकर सखी मंडल की महिलाएं मानव तस्करी को लेकर काफी जागरूक हुईं.

अमिता देवी

प्रखंड : रनिया
जिला : खूंटी

श्रीविधि तकनीक से करें खेती

दुमका जिले के ठाकुरगंगटी प्रखंड स्थित मोरडीहा गांव के किसान अब श्रीविधि से खेती करने पर जोर दे रहे हैं. मोरडीहा गांव में करीब 70 से 80 फीसदी ग्रामीण आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं. सभी किसान पारंपरिक तरीके से खेती करते हैं. उन्हें आधुनिक खेती की जानकारी नहीं है. समय पर खेतों में सिंचाई नहीं करना, फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव करना, सही बीजों का चयन करने की जानकारी किसानों को नहीं होने के कारण उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ता है. अब इन किसानों को श्रीविधि तकनीक से खेती करने की जानकारी दी जा रही है. मोरडीहा गांव की कृषि मित्र सुनैना देवी किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी दे रही हैं और श्रीविधि से खेती करने में उनकी मदद भी कर रही हैं. सुनैना देवी बताती हैं कि अब किसान श्रीविधि तकनीक से धान लगा रहे हैं, जिससे बेहतर उत्पादन होगा. उन्होंने बताया कि श्रीविधि से खेती करने में धान के दो पौधों के बीच की दूरी कम से कम आठ से दस इंच होनी चाहिए, ताकि पौधों को बढ़ने में आसानी हो. मोरडीहा गांव में जेएसएलपीएस की मदद से ग्रामीण महिलाएं भी काफी आगे बढ़ रही हैं.

कुमारी पूनमवाला

प्रखंड : ठाकुरगंगटी
जिला : दुमका

समूह से विनीता बारला के चेहरे पर आयी मुस्कान

अपने खेत में धान काटतीं सखी मंडल की सदस्य विनीता बारला.

पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत मनोहरपुर प्रखंड के रेड़ा गांव की विनीता बारला के चेहरे पर अब मुस्कान है. यह मुस्कान उसके चेहरे पर महिला समूह की बदौलत आयी है. विनीता अपने पति, बेटा और दो बेटियों के साथ रहती हैं. बड़ी बेटी मैट्रिक की परीक्षा में ए ग्रेड से पास हुई है. एक बेटा कक्षा चार में पढ़ता है और एक छोटी बेटी कक्षा एक में पढ़ाई कर रही है. पहले ऐसी स्थिति नहीं थी. विनीता और उसके पति मजदूरी करके अपना परिवार चलाते थे. बहुत मुश्किल से उनका परिवार चल पाता था. बच्चों को पढ़ाने में काफी परेशानी होती थी. खाने-पीने में भी परेशानी होती थी. विनीता को महिला समूह की जानकारी मिली और वो अनुग्रह स्वयं सहायता समूह से जुड़ गयीं. समूह से जुड़ने के बाद विनीता की जिंदगी में बदलाव आने लगा. सक्रिय महिला के तौर पर काम करते हुए उन्हें आइसीआरपी के लिए चुना गया. विनीता ने अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए समूह से पांच हजार रुपये का लोन लिया. इसे चुकाने के बाद विनीता ने खेती करने के लिए एक लाख रुपये का लोन लिया. लोन लेकर विनीता ने डेढ़ एकड़ जमीन में धान की खेती शुरू की. धान की फसल इस बार अच्छी हुई. खेती के अलावा विनीता आइसीआरपी के तौर पर फील्डवर्क भी करती हैं. विनीता गांव-गांव जाकर सभी सखी मंडल की बैठक में शिरकत करती हैं. ग्रामीणों को सभी प्रकार की सरकारी योजनाओं की जानकारी देती हैं. ग्रामसभा और स्कूल प्रबंधन समिति की बैठक में शामिल होती हैं. विनीता अपने रोजगार को बढ़ाने के लिए अब केले की खेती करना चाहती हैं.

इमानती भेंगरा

प्रखंड : मनोहरपुर
जिला : प सिंहभूम